8. प्रारंभिक एवं मुख्य (लिखित) परीक्षा का स्वरूप :–

प्रारंभिक परीक्षा:–

(i) **प्रारंभिक परीक्षा के दो पत्र होंगे जो वस्तुनिष्ठ होंगे एवं प्रत्येक पत्र 100–100 अंक के होंगे, जिनका पूर्णांक 200 अंकों का होगा।**

पाठ्यक्रम–पेपर–1. सामान्य अध्ययन–100 अंकों का

- भारतीय इतिहास एवं भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन
- भारत एवं विश्व का भूगोल
- भारतीय राजव्यवस्था एवं अर्थ व्यवस्था
- झारखण्ड का इतिहास, भूगोल, अर्थ व्यवस्था एवं संस्कृति

पेपर–2. सामान्य अध्ययन–100 अंकों का

- राज्य, देश एवं विश्व की महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ
- सामान्य विज्ञान–इसमें किसी विशेषज्ञ की आवश्यकता नहीं है एवं सुशिक्षित व्यक्ति से जानकारी की अपेक्षा रखी जाती है।
- सामान्य मानसिक क्षमता–तर्क एवं विश्लेषणात्मक क्षमता

नोट:– (1) दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे (बहुविकल्पीय प्रश्न)
(2) प्रश्न का माध्यम हिन्दी एवं अंग्रेजी में होंगे।
(3) प्रत्येक पत्र की अवधि 2 घंटों की होगी।
(4) दृष्टिहीन अभ्यर्थियों को प्रत्येक पत्रों में बीस मिनट अतिरिक्त देय होगा।

9. लिखित मुख्य परीक्षा हेतु निम्न विषय होंगे :–

(क). हिन्दी–100 अंकों का होगा। हिन्दी के अंक Qualifying होंगे। Qualifying अंक 30 होगा। इसके अंक मेधा सूची में सम्मिलित नहीं किये जायेंगे। हिन्दी विषय का पाठ्यक्रम 10वीं कक्षा के स्तर के होंगे।

(ख). सामान्य अध्ययन–दो पत्र (प्रत्येक 100 अंकों) के होंगे।

(ग). वैकल्पिक विषयः–

(i) गृह विज्ञान (ii) मनोविज्ञान (iii) समाजशास्त्र (iv) श्रम एवं समाज कल्याण। इनमें से किन्हीं एक विषय का चयन अभ्यर्थी अपनी इच्छा से कर सकेंगे। वैकल्पिक विषयों के 2 (दो) पत्र होंगे। प्रत्येक पत्र–200 अंकों का होगा।

नोटः–(i) मुख्य परीक्षा हेतु निर्धारित विषयों के पाठ्यक्रम आयोग के वेबसाईट www.jpsc.gov.in पर उपलब्ध है।

(ii) अभ्यर्थी द्वारा लिखित मुख्य परीक्षा हेतु वैकल्पिक विषयों में से किसी एक वैकल्पिक विषय का चयन किया जायेगा। वैकल्पिक विषय का चयन के पश्चात् वैकल्पिक विषय में परिवर्तन का अनुरोध स्वीकार नहीं होगा एवं वैकल्पिक विषय का चुनाव अंतिम एवं अपरिवर्तनीय होगा।

10. साक्षात्कारः–मुख्य परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए झारखण्ड लोक सेवा आयोग द्वारा 50 अंकों का साक्षात्कार आयोजित किया जायेगा। तत्पश्चात आयोग द्वारा अंतिम मेधा सूची तैयार किया जायेगा।